अप्रैल 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

PDA का अभियान
संविधान ही स्वाभिमान

R.N.I. No. 68832/97

राजनीति के क्षेत्र में लक्ष्य को निर्धारित करते हुए जो भी मेहनत करता है, उसे कामयाबी मिलती ही है। राजनीति में सफलता के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ जुनून की हद तक निःस्वार्थ भाव से जनता के बीच काम करते रहना चाहिए। उसका फल, जनता खुद दे देगी।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन
अप्रैल 2025
वर्ष 26 | संख्या 06

PDA काव्य विचार

दलितों की संघर्ष चेतना,
पिछड़े, भारत के भाग्य विधाता।
अल्पसंख्यकों के योगदान से,
विश्व में भारत नाम कमाता॥
अखिलेश नेतृत्व-साहसी, सार्थक,
इंडिया गठबंधन मजबूत बनाता॥

- उर्मिला राजपूत
पूर्व विधायक
दिलावर जंग फर्रुखाबाद

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

अंदर

वक्फ तो बहाना है इरादा ध्रुवीकरण कराना है 26

08 कवर स्टोरी
PDA का अभियान संविधान ही स्वाभिमान

उत्तर प्रदेश में बदलाव की आहट 20

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के यूपी के विभिन्न जिलों के दौरों में उमड़ रहे जन सैलाब से साल2027 में उत्तर प्रदेश में बदलाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। अखिलेश को देखने और मिलने की ललक बता रही है कि बदलाव की आहट है और जनसमुदाय भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए तैयार है।

भाजपा का दलित विरोधी चेहरा बेनकाब 24
बहादुर अनन्या को मिला अखिलेश का साथ 40

आओ गले मिलें

गूंजे सौहार्द के सुर

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर 9 अप्रैल को आयोजित "आओ गले मिलें" कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटी। सभी ने होली-ईद मिलन के सद्भाव समारोह को सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बना दिया। कार्यक्रम का माहौल सांप्रदायिक सौहार्द के उद्घोष से सरोबार हो गया।

इसी के साथ समाज में संदेश गया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की एकमात्र राजनेता हैं जो सभी को साथ लेकर चलने की सोच रखते हैं और उनकी हमेशा ही कोशिश रहती है कि समाज में सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे और सब मिलकर एक दूसरे के त्योहारों को साझी संस्कृति के तौर पर मनाएं।

"आओ गले मिलें" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रहे। मैनपुरी सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने भी होली-ईद मिलन सद्भाव समारोह में हिन्दू-मुस्लिम सिख-ईसाई सभी धर्मो के धर्मगुरू और बड़ी संख्या में शामिल हुए गणमान्य लोगों को होली की बधाई और ईद की मुबारकबाद दी।

होली-ईद मिलन सद्भाव समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त म्यूजिशियन श्री ब्रायन सिलास ने शानदार प्रस्तुति देकर मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री ब्रायन सिलास ने लता मंगेशकर और अनुराधा पौडवाल के अलावा बॉलीवुड के मशहूर संगीत निर्देशकों के साथ भी प्रस्तुति दी है। उन्होंने पियानो पर मनमोहक धुनें निकालकर दर्शकों का मन मोह लिया। श्री अखिलेश यादव ने श्री ब्रायन सिलास का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सद्भाव समारोह में आए सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश गंगा-जमुनी संस्कृति का देश है। हम सब मिलजुलकर सभी त्योहार मनाते हैं। भाईचारा और सद्भाव हमारे समाज की ताकत है। "आओ गले मिलें" कार्यक्रम उसी सद्भाव एकता और भाईचारे का संगम है। यही हमारे देश और समाज की सच्चाई है।

सद्भाव समारोह में जनाब मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली साहब इमाम ईदगाह ऐशबाग लखनऊ, मौलाना याकूब अब्बास साहब, जनाब मौलाना फजले मन्नान साहब इमाम टीले वाली मस्जिद लखनऊ, श्री ज्ञानी गुरमेहर सिंह, हेड ग्रंथी गुरूद्वारा, विशप जेराल्ड जॉन मथायस, फादर रॉबर्ट क्वाडरस, फादर डोनाल्ड डिसूजा, जनाब राशिद अली मीनाई साहब सज्जादानसीन शाहमीना दरगाह लखनऊ, मौलाना कल्बे सिब्तैन नूरी साहब अध्यक्ष शिया चांद कमेटी, जनाब मौलाना फखरूल हसन नदवी साहब प्रोफेसर नदवा कॉलेज लखनऊ, जनाब हाफिज सईद अहमद साहब सज्जादा नशीं शाहमीना दरगाह लखनऊ, पंडित रवीन्द्र दीक्षित, श्री उदय प्रताप सिंह पूर्व सांसद, स्वामी ओमा द अक, श्री किरनमय नन्दा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जनाब मौलाना मुस्तफा मदनी साहब सदर नूर फाउंडेशन साबिक अमीर एहलेहदीस, प्रोफसर नैयर जलालपुरी साहब मौलाना सैफ अब्बास साहब, श्रीमती कमर रहमान साहिबा भारतीय वैज्ञानिक लखनऊ, डॉ साबिरा हबीब साहिबा प्रोफेसर रशियन लैग्वेज चेयरमैन स्टैडिंग कमेटी ऑफ माइनरिटी एजुकेशन, प्रोफेसर दिनेश कुमार हेड एण्ड डीन शिक्षा संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, प्रोफेसर बंदना हेड डिपार्टमेंट समाजशास्त्र विभाग बीएसएनबी पीजी कॉलेज लखनऊ, श्रीमती ताहिरा हसन साहिबा, रैनोन्ड सोशल वर्कर, मो हैदर वारसी देवां शरीफ, प्रो सैय्यद मौलाना नोमान साहब उपाध्यक्ष जमीयत उल्ला उप्र, मौलाना अफजल रिजवी साहब, श्री पंसीशाह बाबा देवां शरीफ, मौलाना मिसकैन साहब, श्री मसूद अब्दुल्लाह साहब नवाब साहब, श्री मुफ्ती अफरोज आलम

आओ गले मिलें!
होली-ईद मिलन
सद्भाव मिलन

कासमी, नई दिल्ली, मौलाना आरिफ जहूर कासमी सदर जमीयत के अलावा साथ ही सांसद सर्वश्री अवधेश प्रसाद, आरके चौधरी, जियाउर्रहमान बर्क, अफजाल अंसारी, मोहिबुल्लाह, जावेद अली के अलावा सर्वश्री माता प्रसाद पाण्डेय नेता विरोधी दल, शिवपाल सिंह यादव राष्ट्रीय महासचिव, रामगोविन्द चौधरी पूर्व नेता विरोधी दल, राजेन्द्र चौधरी एमएलसी/राष्ट्रीय सचिव, श्यामलाल पाल प्रदेश अध्यक्ष, ओम प्रकाश सिंह विधायक, अबू आसिम आजमी विधायक, रविदास मेहरोत्रा, आलम बदी विधायक, अमिताभ बाजपेयी विधायक, जासमीर अंसारी एमएलसी, शाहिदा खातून विधायक, रामऔतार सैनी विधायक, शाह आलम गुड्डू जमाली, एमएलसी, संग्राम सिंह यादव विधायक, सुरेश यादव विधायक, अताउर्रहमान विधायक, फहीम इरफान विधायक, अरमान खां विधायक, महबूब अली विधायक, नवाब मसूद अब्दुल्ला, मोहम्मद रिजवी विधायक, नसीम सोलंकी विधायक, आशु मलिक विधायक, नासिर कुरैशी विधायक, शहजिल इस्लाम विधायक, अम्बिका चौधरी पूर्व विधायक, अन्नू टण्डन पूर्व सांसद, अरविन्द सिंह गोप पूर्व मंत्री, यामीन खां, देवेन्द्र सिंह जीतू, नवीन धवन बंटी, श्रीमती जूही सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा, मौलाना इकबाल कादरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा, प्रो बी. पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा, श्री जॉय एण्टोनी राष्ट्रीय सचिव, श्रीमती रीबू श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा, सुश्री पूजा शुक्ला पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, श्रीमती नाहिद लारी खान प्रवक्ता, श्रीमती वंदना मिश्रा, श्रीमती मधु गुप्ता पूर्व एमएलसी, शकील नदवी प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा, श्री मो एबाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष युवजन सभा शामिल रहे।

भारत
का

PDA का अभियान
संविधान ही स्वाभिमान

बुलेटिन ब्यूरो

एक ओर जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपनी विभाजनकारी नीतियों से समाज में सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रही है, वहीं संविधान को भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी और निर्णायक शक्ति करार देते हुए समाजवादी पार्टी ने भाजपा के नापाक इरादों को सफल न होने देने का ऐलान किया।

सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव की पहल पर संविधान को PDA का स्वाभिमान और स्वमान कार्यक्रम के तहत सपा की ओर से प्रदेश भर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 8 से 14 अप्रैल तक व्यापक अभियान चलाकर पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक समाज को भाजपा के झांसे में नहीं आने की मुहिम चलाई गई जिसका PDA समाज ने भरपूर स्वागत किया।

उसी कड़ी में समाजवादी पार्टी की ओर से 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गयी। उससे पहले 12 अप्रैल को सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव ने इटावा में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की

प्रतिमा का अनावरण किया। जबकि 14 अप्रैल को सपा मुखिया ने राजधानी के हृदय स्थल हजरतगंज चौराहे पर स्थापित बाबा साहब डॉभीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

श्री अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि बाबा साहब का बनाया संविधान हम सबके लिए संजीवनी है। हमारी ढाल हैं। संविधान हम सबको अधिकार देता है। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी और वंचित शोषित वर्गों को आरक्षण देता है। संविधान पीडीए परिवार को आगे बढ़ने का अवसर देता है।

हम लोग संकल्प लेते हैं कि संविधान पर चलकर उसे और मजबूत बनाएंगे। संविधान कमजोर होगा तो लोकतंत्र कमजोर होगा। संविधान छीना जाएगा तो हक और अधिकार छिन जाएगा। शिक्षा का अधिकार छिन जाएगा। जनता ने लोकसभा चुनाव में दिखा दिया संविधान बदलने की बात करने वालों को, जनता बदल देगी।

इससे पहले 8 से 14 अप्रैल तक चले सपा के प्रदेशव्यापी अभियान में उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में PDA समाज ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अभियान में जिलों जिलों में PDA समाज की भारी भीड़ जुटी।

समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी एवं समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में समाजवादी पार्टी के सभी कार्यालयों, सभी जनप्रतिनिधियों के स्थानीय व आवासीय कार्यालयों में स्वाभिमान-स्वमान समारोह आयोजित किया गया।

जिसमें संकल्प लिया गया कि PDA समाज एकजुट होकर बाबा साहब की देन व धरोहर 'संविधान और आरक्षण' बचाने के आंदोलन

P D A P D A

PDA
जन पंचायत कार्यक्रम

PDA
परचम

स्वाभिमान-स्वमान समारोह
8 अप्रैल से
14 अप्रैल तक

को नई ताकत देगा। संगोष्ठियों और संभाषणों के माध्यम से दोहराया गया कि 'संविधान ही संजीवनी' है और 'संविधान ही ढाल है'। जब तक संविधान सुरक्षित रहेगा, तब तक हम सबका मान-सम्मान-स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा।

'स्वाभिमान-स्वमान' के माध्यम से ही पीडीए समाज के सदस्य अपनी निर्णायक शक्ति हासिल करके स्वाभिमान से जीने का हक-अधिकार, शक्तिकामी नकारात्मक ताकतों को सांविधानिक जवाब दें पाएंगे। पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी, पीडीए की एकजुटता ही सुनहरा भविष्य बनाएगी।

प्रदेश भर में हुए कार्यक्रमों में कहा गया कि शोषित-वंचित समाज की जागरूकता नई चेतना बनकर उभर रही है। PDA समाज समझ गया है कि भाजपा षडयन्त्रकारी पार्टी है और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ती है। भाजपा पीडीए विरोधी है। भाजपा ने पीडीए के हर सम्मान और आरक्षण को छीना है। पीडीए की एकजुटता से भाजपा के लोग घबराए हुए हैं।

कहा गया कि भाजपा सरकार में पीडीए के साथ षड्यंत्र हो रहा है। समाजवादी पार्टी पीडीए के साथ बाबा साहब के विरोधियों का हर स्तर पर मुकाबला करने को तैयार है। समाजवादी पार्टी सामाजिक सद्भाव, संविधान और लोकतंत्र के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

यह भी कहा गया कि भाजपा सरकार जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए नए-नए मुद्दे ला रही है। इसके समर्थक अराजक तत्व समाज में तनाव और वैमनस्यता फैलाने का काम करते है। प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। पूरे प्रदेश में कानून नाम की चीज नहीं है। भ्रष्टाचार और अपराध पर भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। अन्याय, अत्याचार चरम पर है। लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है। भाजपा का अस्सी-बीस नारा नहीं चल रहा हैं तो वह साम्प्रदायिक राजनीति पर उतर आयी है। पीडीए और आधी आबादी 90 फीसदी है। यह 90-10 का मामला है। पीडीए पूरी तरह समाजवादी पार्टी के साथ है। भाजपा पीडीए की एकजुटता से घबरा गयी है। इसीलिए भाजपा के नेता और भाजपा के तमाम संगठन समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन को बदनाम करने के लिए करोड़ों रूपये खर्च कर अभियान चला रहे हैं।

भाजपा राज में संविधान को खतरा

- अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 12 अप्रैल को इटावा के महेवा ब्लाक में आयोजित स्वाभिमान स्वमान समारोह एवं पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज हम पीडीए परिवार के लोग संकल्प लेते हैं कि कोई कितना भी ताकतवर हो जाए, तानाशाह हो जाए लेकिन हम लोग बाबा साहब का संविधान नहीं बदलने देंगे। संविधान के प्रति ईमानदारी से एकजुटता के साथ खड़े रहेंगे और अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इटावा में बाबा साहब की प्रतिमा लगाकर बड़ा काम हुआ है। बाबा साहब से बड़ा स्कॉलर, इकोनामिस्ट और समाज सुधारक, अधिवक्ता कोई नहीं था। वह संविधान सभा के अध्यक्ष बने। उन्हीं का योगदान है तभी हमारे देश को दुनिया का सबसे अच्छा संविधान मिला।

जो लोग देश को मनु विधान से चलाना चाहते हैं उनसे कहना चाहता हूं कि यह देश सिर्फ बाबा साहब के संविधान से चलेगा। संविधान हमें हक दिलाता है। जो हक मारना चाहते है वही संविधान विरोधी है। अगर संविधान कमजोर होगा तो देश का लोकतंत्र कमजोर होगा। लोकतंत्र कमजोर होगा तो तानाशाही आयेगी जो लोग मनु विधान से चलना चाहते है वे देश को एकतंत्र से चलाना चाहते हैं। वे एक रंगी है। वे लोकतंत्र के पक्षधर नहीं है।

बाबा साहब का संविधान है, जो सम्मान दिलाता है। संविधान हम सबके लिए संजीवनी है। हम चाहते हैं देश संविधान से चले लेकिन कुछ लोग देश को अपने अहंकार से चलाना चाहते हैं। कुछ लोग संविधान को संविधान न मानकर कोरी किताब मानते हैं। हम चाहते हैं कि जय जवान, जय किसान नारे के साथ जय संविधान जोड़ दिया जाय। यह संविधान हमारे लिए बुनियाद है। कर्मग्रन्थ है।

जब लोगों पर संकट आता है तो संविधान

ढाल बनता है। संविधान रक्षा करता है और शक्ति देता है। संविधान को कोई ठेस पहुंचेगी तो समाजवादी लोग पीडीए को एकजुट कर लड़ाई लड़ेंगे। अभी तक संविधान ने पीडीए को बचाया है। अब संविधान बचाने की जिम्मेदारी पीडीए की है। भाजपा के लोग कहते हैं कि 80 और 20 की लड़ाई है लेकिन यह लड़ाई 80 और 20 की नहीं, 90 और 10 की है। 90 फीसदी पीडीए है। पीडीए समाजवादी पार्टी के साथ है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को संविधान की परवाह नहीं है। संविधान पर आ रहे खतरे को देखते हुए पीडीए परिवार ने संविधान बचाने का संकल्प लिया और नारा दिया। पीडीए की एकजुटता, बाबा साहब के संविधान, डॉ राममनोहर लोहिया के समाजवादी चिंतन और नेताजी के संघर्षों के बल पर समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा के चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती। भारतीय जनता पार्टी को बहुमत से दूर कर दिया। आज केन्द्र सरकार में भाजपा का बहुमत नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा औरैया के क्षेत्र में तमाम साथी पैदा हुए जो अन्याय के खिलाफ लड़े। फूलन देवी का भी एक संघर्षपूर्ण इतिहास है। दुनिया के इतिहास में जितनी प्रताड़ना और अन्याय फूलन देवी के साथ हुआ उतना किसी महिला के साथ नहीं हुआ होगा। फूलन देवी के साथ जो अपमान हुआ था उसके बदले सम्मान दिलाने के लिए नेताजी और समाजवादी पार्टी ने उनको लोकसभा पहुंचाने का काम किया। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद मुकदमें वापस लिए। फूलन देवी को छुड़वाया और लोकसभा में पहुंचाया।

इटावा और इस इलाके का इतिहास यह है। बसपा संस्थापक मान्यवर कांशीराम जी को पहली बार इटावा के मतदाताओं ने लोकसभा में पहुंचाने का काम किया था। नेताजी और समाजवादी पार्टी ने उन्हें जिताने का काम किया था।

बाबा साहब ने जीवन भर भेदभाव देखा। समाज में जो हजारों साल पुरानी बुराई थी वह आज भी खत्म नहीं हुई है। क्योंकि बुराई बढ़ाने वाले आज भी समाज में हैं। पहले बहुत सारे लोग मंदिरों में नहीं जा सकते थे।

DRA ETW.

इटावा

घुस नहीं पाते थे, अगर घुस जाते थे तो सजा मिलती थी। उन्हें दूसरी भावना से देखा जाता था।

पिछले चुनाव के समय जब मैं एक मंदिर में गया, वहां से लौटा तो पता चला कि भाजपा के लोगों ने उसे गंगा जल से धुलवाया जिस मुख्यमंत्री आवास में तमाम लोग रहे, मायावती जी मुख्यमंत्री आवास में रहती थीं, उनके जाने के बाद जब हम लोग आवास में गये तो गंगा जल से नहीं धोया गया था लेकिन हमारे जाने के बाद जब अब के मुख्यमंत्री, जो अपने आप स्टैम्प लगाकर योगी बन गये हैं, वे मुख्यमंत्री आवास में गये तो उन्होंने गंगाजल से धुलवाया। यह भेदभाव आज भी है। मैं सोचता हूं कि जब हम लोगों के साथ ऐसा व्यवहार होता है तो जो हमारे और बहुजन समाज के लोग हैं उनके साथ न जाने कैसा-कैसा व्यवहार होता होगा। आज हर स्तर पर भेदभाव देखा जा रहा है। आरक्षण छीना जा रहा है। सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे है। पीडीए को आगे बढ़ने से रोका जा रहा है। भाजपा संस्थाओं में अपने लोगों को बैठा रही है।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार संविधान के अनुसार काम नहीं कर रही है। कुछ अधिकारी संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। भाजपा के लोग थानों, तहसीलों में दलाली कर रहे हैं। हम सभी एकजुट होकर भाजपा सरकार हटाएंगे। मतदाता सूची में बेईमानी नहीं करने देना है। अभी से मतदाता सूची को देखकर काम करना है। बाबा साहब ने सामाजिक न्याय देने का काम किया। बाबा साहब का सपना अभी पूरा नहीं हुआ है।

कार्यक्रम का आयोजन इटावा के सांसद श्री जितेन्द्र दोहरे ने किया। इस अवसर पर सांसद श्री देवेश शाक्य, श्री आदित्य यादव, श्री अंशुल यादव, विधायक श्री प्रदीप यादव, रेखा वर्मा, जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप शाक्य, पूर्व मंत्री श्री अशोक यादव, गोपाल यादव, श्री कृष्ण यादव, बीरू भदौरिया, श्री सर्वेश गौतम समेत बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता और आम जनता मौजूद रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन हामिद खां ने की।

सपा संग तेजी से जुड़ रहा PDA समाज

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की नीतियों से प्रभावित होकर PDA समाज तेजी के साथ समाजवादी पार्टी से जुड़ रहा है। PDA समाज को भरोसा है कि श्री अखिलेश यादव ही उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और वे ही उन्हें अधिकार-सम्मान दिलाने में सक्षम हैं। पूर्व मंत्री व बसपा के संस्थापक सदस्य रहे दद्दू प्रसाद समेत सैकड़ों लोगों ने समाजवादी पार्टी में शामिल होकर PDA समाज को संदेश दिया कि श्री अखिलेश यादव की सरकार में ही PDA का भला हो सकता है।

7 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित समारोह में बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख नेता पूर्व मंत्री श्री दद्दू प्रसाद, बसपा के कोआर्डिनेटर सलाउद्दीन, तरन्नुम सिद्दीकी के अलावा बसपा के संस्थापक सदस्य मास्टर रामाधीन अहिरवार के अलावा सर्वश्री ललित चौधरी, जगन्नाथ कुशवाहा, अनिरूद्ध सिंह, विवेक भोजला

समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

श्री दद्दू प्रसाद 5 बार के विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा सामाजिक परिवर्तन मिशन के राष्ट्रीय संयोजक हैं। उनके साथ पूर्व मंत्री श्री बशीरूद्दीन खां के पुत्र शफीरूद्दीन और पूर्व लोकसभा प्रभारी हमीरपुर श्री कमलापति राठ भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। श्री देवरंजन अहिरवार राजनीतिक स्थितियों और तकनीक के विशेष जानकार हैं। उन्होंने कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सभी साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि समाज में जमीनी स्तर पर सम्मान से काम करने वाले और कठिन परिस्थितियों से निकलने वाले दद्दू प्रसाद सहित इन सभी के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से पीडीए की लड़ाई और संघर्ष को और मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अन्य दलों से बड़े नेता समाजवादी पार्टी में आ रहे हैं। उनके आने से कानून व्यवस्था, संविधान बचाने की लड़ाई में पीडीए को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग दलित, पिछड़े, शोषित, अल्पसंख्यकों और किसानों को सम्मान दिलाने तथा महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ जंग में समाजवादी पार्टी के साथ आए हैं।

सदस्यता ग्रहण करने के दौरान सर्वश्री नारायण दास अहिरवार सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, रविदास मेहरोत्रा विधायक, सुरेश यादव विधायक, जासमीन अंसारी एमएलसी, रामवृक्ष सिंह यादव पूर्व एमएलसी, प्रो बी. पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षक सभा, मौलाना इकबाल कादरी राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, डॉ इमरान राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अखिलेश के दौरे

उत्तर प्रदेश में बदलाव की आहट

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के यूपी के विभिन्न जिलों के दौरों में उमड़ रहे जन सैलाब से साल 2027 में उत्तर प्रदेश में बदलाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। अखिलेश को देखने और मिलने की ललक बता रही है कि बदलाव की आहट है और जनसमुदाय भाजपा को सत्ता से पदच्युत करने के लिए तैयार है।

महोबा-हमीरपुर: 80-20 की बात करने वाला योगी नहीं

16 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बुंदेलखंड के महोबा-हमीरपुर के दौरे पर थे। वहां उनका भव्य स्वागत किया गया। लोग उनके इंतजार में घंटों खड़े रहे। श्री अखिलेश यादव के पहुंचते ही गगनभेदी नारों से उनका स्वागत-अभिनंदन किया गया।

जनता ने उनके समर्थन में और 2027 में सरकार बनाने का नारा लगाया और साथ देने का वायदा किया। जनता जिस तरह बेताब थी, उससे यही लग रहा था कि जनता भाजपा सरकार से कितना त्रस्त है।

दौरे के दौरान मीडिया ने श्री अखिलेश यादव से बात की। श्री यादव ने कहा कि समाज को बांटने की बात करने वाला योगी नहीं हो सकता है। कपड़े पहनने से कोई योगी नहीं बनता। विचार और भाषा से योगी बनते हैं। जो दूसरों के दुःख को अपना समझे और जिसके विचार अच्छे हो वही योगी बनता है। समाज में 80 और 20 की बात करने वाले योगी नहीं हो सकते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी लोग पूरे समाज को साथ लेकर चलना चाहते हैं। सभी रंग को साथ रखकर गुलदस्ता बनाना चाहते हैं लेकिन एक रंगी लोग बहुरंगी लोगों को पसंद नहीं करते हैं। नफरत करते हैं। एक रंगी लोग समाज में भेदभाव फैलाना चाहते हैं।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने बुंदेलखंड में विकास कार्य किया। बुंदेलखंड के लोगों को सुविधाएं दीं। समाजवादी

सरकार ने बुंदेलखंड में नल लगाने की योजना शुरू की थी। सड़कें, मंडियों को बनाने का काम किया था। समाजवादी सरकार में डैम से राठ सिटी तक पाइप से पानी पहुंचाने की योजना बनी थी। अगर वह योजना शुरू हो गई होती तो राठ कस्बे के साथ उसके रास्ते में पड़ने वाले गांवों को भी शुद्ध पीने का पानी मिल जाता।

कन्नौज: महायज्ञ में हिस्सेदारी संग कार्यकर्ताओं से मुलाकात

26 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कन्नौज के दौरे पर थे। वह 1108 कुण्डीय मृत्युंजय मां पीताम्बरा महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे थे। श्री अखिलेश यादव ने छिबरामऊ में श्रीमद् भागवत कथा में भी शिरकत की।

उन्होंने श्री रीपू यादव सदस्य जिला पंचायत के आवास पर जाकर स्व ताऊ को श्रद्धांजलि दी। दुर्गानगर में श्री दीपू के स्व पिता को श्रद्धांजलि दी। तिर्वा में ही उन्होंने श्री अर्जुन सिंह के स्व पिता को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सभी शोकाकुल परिवारों को सांत्वना दी तथा संवेदना व्यक्त की। लखनऊ रवानगी से पहले श्री अखिलेश यादव दिनेश बाथम पुत्र स्व मुन्ना बाथम की दुकान पर भी गए।

दौरे के दौरान श्री यादव को जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ। स्वागत करने वालों में युवाओं व महिलाओं की तादाद अधिक थी। नौजवान उनके समर्थन में गगनभेदी नारे लगा रहे थे।

यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज की धरती पर पवित्र आयोजन हो रहा है। हमारी वैदिक पौराणिक परम्पराओं से जोड़ने के लिए महाराज श्री रामदास जी और उनके साथ प्रतिष्ठित और सम्मानित श्री करूणा शंकर जी और बड़ी संख्या में साधु-संत पवित्र महायज्ञ कर रहे हैं। महायज्ञ के माध्यम से पीताम्बरा माई का आशीर्वाद कन्नौज और पूरे प्रदेश और देश के लोगों को मिलेगा। लोगों के जीवन का कल्याण होगा। मां पीताम्बरा सबका कल्याण करेंगी और उनके भविष्य को बेहतर करेंगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आठ साल में भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार और लूट की हर सीमा पार कर दी है। देश के इतिहास में पहली बार है जब सरकार खुशी मनाने का ढोंग कर रही है तो सत्ता शीर्ष से जुड़ा भ्रष्टाचार में डूबा एक आईएएस अंडरग्राउंड हो गया है। पहली सरकार है जिसके विधायक खुलकर बदलाव की मांग कर रहे हैं। भाजपा के विधायक सरकार पर भ्रष्टाचार और बेईमानी के आरोप लगा रहे हैं।

दूसरा विधायक और आगे बढ़ कर बाबा जी को उत्तर प्रदेश से बाहर भेजने की मांग कर रहा है। कह रहा है कि उत्तर प्रदेश को उनकी जरूरत नहीं है। बस्ती के एक और विधायक कह रहे हैं कि इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं देखा। तहसील, थाने में लूट मची है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी जनता को आठ साल के सवालों का जवाब नहीं देना चाहते हैं इसीलिए इधर-

उधर की बातें करते हैं। श्री यादव ने कहा कि आज कल लोग विदाई की भाषा बोल रहे हैं। अब इनकी विदाई का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए के खिलाफ है। पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश और षडयंत्र करती है। आरक्षण समाप्त करने के लिए नए-नए रास्ते खोजती है। लोगों को डराना चाहती है लेकिन भारत का समाज सदियों से एक दूसरे का सम्मान करता है। प्रेम से साथ मिलकर रहता है। साथ देता है। देश की जनता भाजपा के नफरती मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम समाजवादियों के आदर्श डॉ राममनोहर लोहिया, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर और नेता जी श्री मुलायम सिंह यादव और जनेश्वर मिश्र जी हैं। हम समाजवादी लोग उन्हीं के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। समाजवादी लोग विकास खुशहाली और सद्भाव के लिए काम कर रहे हैं। हम लोग कन्नौज के इत्र की तरह समाज में भाईचारे की सुगंध फैला रहे हैं। भाजपा नफरत की दुर्गंध फैलाती है। प्रदेश और देश की जनता आने वाले समय में दुर्गंध और नफरत फैलाने वाली भाजपा सरकार को हटाने का काम करेगी।

जौनपुर: शीर्ष अदालत ने भी कह दिया यूपी में कानून का राज नहीं

8 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जौनपुर के दौरे पर थे। उनके दौरे की सूचना पाकर एक बड़ा जनसमूह उनके स्वागत के लिए उमड़ पड़ा। पूरा इलाका श्री अखिलेश यादव के जिंदाबाद के नारे से गुंजायमान हो गया। श्री यादव यहां श्रीमती सरजू देई पूर्व ब्लाक प्रमुख खुटहन के स्व पति धर्मराज यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। श्री यादव ने कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों को यहां नारेबाजी करने से मना किया।

यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था नहीं है। यही बात हम लोग पहले से कह रहे हैं। अधिकारी बेलगाम हैं। मनमाने तरीके से मुकदमें लगा रहे हैं। निर्दोषों को गलत तरीके से फंसा रहे हैं। मनमाने तरीके से वसूली हो रही है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भ्रष्टाचार चरम पर है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जौनपुर में हत्या की कई घटनाएं हो चुकी हैं। भाजपा

सरकार पूरी तरह से नाकाम हो गई है। इसी नाकामी को छिपाने के लिए सरकार वक्फ बिल लेकर आई। भाजपा सरकार अपनी योजनाओं की नाकामी पर पर्दा डालने के लिए वक्फ कानून लाई है। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा में वक्फ कानून का विरोध किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। आम जनता कराह रही है। जौनपुर का मेडिकल कॉलेज समाजवादी सरकार में शुरू किया गया था, भाजपा सरकार ने पूरा नहीं होने दिया। सरकार में महिलाएं, बहन, बेटियां सुरक्षित नहीं है। महिलाएं उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। वाराणसी में महिलाओं के साथ जो घटनाएं हुईं, दुःखद है। भाजपा सरकार में पुलिस ही माफिया का काम कर रही है और प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया होगा। समाजवादियों की सरकार बनेगी।

अलीगढ़: तानाशाही के रास्ते पर भाजपा

11 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव एक शादी समाराेह में शिरकत के लिए अलीगढ़ पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इस शादी समारोह में राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव भी शरीक हुए।

अलीगढ़ मे पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा तानाशाही के रास्ते पर है। जिस तरह हिटलर ने अपने राजनैतिक कार्यकर्ताओं को पुलिस की वर्दी पहना कर ट्रूपर्स बनाए थे, वह जो चाहता था उनसे वही कराता था, इसी तरह से मुख्यमंत्री जी ने सेनाएं बना रखी हैं। प्रदेश में जो कुछ हो रहा है वह सरकार के इशारे पर हो रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा देश और समाज अलग-अलग जाति और धर्मो का देश है। हम लोग जितना एक दूसरे को समझेंगे, गले मिलेंगे, खुशियों के साथ त्योहार मनाएंगे, हमारा समाज उतना ही एकजुट रहेगा और तरक्की करेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार झूठी है। कानून व्यवस्था और अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा झूठा है। भाजपा सरकार हर तरह से फेल हो गई है। भाजपा का रास्ता नफरत भरा है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है। सरकार में बैठे लोग संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। जाति-धर्म और पार्टी के देखकर उनके साथ भेदभाव करते हैं। विपक्ष को दबाने के लिए साजिश की जा रही है। विपक्षी दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमें लगाए जा रहे हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान, नौजवान, व्यापारी सब परेशान हैं। 2027 में इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जनता तैयार बैठी है।

भाजपा का दलित विरोधी चेहरा बेनकाब

● सांसद सुमन को कुछ हुआ तो योगी जिम्मेदार -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के एक वक्तव्य को लेकर जिस तरह हंगामा खड़ा किया जा रहा है, वह बताता है कि भाजपा को दलित वर्ग के सांसद को अब बोलने की आजादी भी रास नहीं आ रही है।

सांसद के आगरा स्थित आवास पर बुलडोजर लेकर पहुंचने वालों ने जिस तरह वहां उपद्रव मचाया, वह जाहिर करता है कि हमलावरों को सरकार की शह हासिल थी।

दलित वर्ग के सांसद के घर को उपद्रवियों द्वारा 26 मार्च को निशाना बनाए जाने के बाद समाजवादी पार्टी ने एकजुटता दिखाते हुए संसद भवन के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सांसदों ने सुमन की बात लिखी तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया।

श्री यादव ने सरकार को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर सांसद सुमन को कुछ हुआ तो मुख्यमंत्री जिम्मेदार होंगे। सपा सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार को घेरा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमज़ोर से कमज़ोर हर एक व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते है।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी इतिहास पुरुष का अपमान करना नहीं हो सकता। समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही। भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक-जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य श्री रामजी लाल सुमन या किसी अन्य नेता के ऊपर कोई घटना होती है या उन्हें अपमानित किया जाता है तो उसके लिए खुद मुख्यमंत्री जिम्मेदार होंगे। क्योंकि धमकी देने वाले वाले उस संगठन पर मुख्यमंत्री जी का हाथ है। जितने भी लोग धमकी देने में दिखाई दे रहे हैं, उनका जातीय कनेक्शन मुख्यमंत्री से है। इसीलिए उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ही ऐसे लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जबसे सत्ता में आयी है साजिश और षडयंत्र करके पीडीए के लोगों को अपमानित कर रही है। पीडीए के लोगों को जीवन में कभी न कभी अपमानित होना पड़ता है। मुख्यमंत्री जी 80 और 20 की बात करते है। भाजपाई अपमान के खिलाफ पीडीए एकजुट है। यह लड़ाई 90 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की है। 90 प्रतिशत पीडीए के साथ है और पीडीए समाजवादी पार्टी के साथ है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे सांसद ने सिर्फ एक पक्षीय लिखे गये इतिहास और एक पक्षीय की गई व्याख्या का उदाहरण देने की कोशिश की है। हमारा कोई भी प्रयास राजपूत समाज या किसी अन्य समाज का अपमान करना नहीं है। आज के समय में बीते कल की मतलब 'इतिहास' की घटनाओं की व्याख्या नहीं की जा सकती। राज काज के निर्णय अपने समय की परिस्थियों की माँग के हिसाब से लिए जाते थे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने कई मौकों पर कहा है कि इतिहास नहीं पलटना चाहिए। जो इतिहास हमें खुशहाली, तरक्की के रास्ते पर न ले जा सके उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए। जब श्री रामजी लाल सुमन की बात राज्यसभा में रिकॉर्ड से हटा दी गयी तो बात खत्म हो गयी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा इतिहास के पन्ने पलट रही है। उन्हीं इतिहास के कुछ पन्नों को राज्यसभा सदस्य श्री रामजी लाल सुमन ने भी पलट दिया। उनका भाजपा से कहना है कि इतिहास के पन्ने पलटना बंद करें।

गड़े मुर्दे उखाड़ रही भाजपा

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ मैनपुरी की लोकप्रिय सांसद श्रीमती डिंपल यादव मुखर हुई हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश की गिरती कानून-व्यवस्था पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं है। अगर हम उत्तर प्रदेश के हालात देखें तो यहां सड़क पर बम फूट रहे हैं, महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सांसद रामजी लाल सुमन के साथ जो घटना घटी है वह दुर्भाग्यपूर्ण है।

आखिर इससे क्या संदेश जाएगा और नई पीढ़ी क्या सीखेगी। 26 मार्च को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि उपद्रव के समय शासन-प्रशासन वाले जानबूझकर समय से नहीं जाते हैं। यह सब सरकार के ही इशारे पर कराई गई हरकत है। उपद्रवियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है।

श्रीमती यादव ने कहा कि भाजपा गड़े मुर्दे उखाड़ रही है। इससे उनकी नीति और नीयत दोनों का पता चलता है। बेकारी, महंगाई, शिक्षा की दुर्दशा जैसे ज्वलंत मुद्दे हैं, इनसे ध्यान भटकाने के लिए ही भाजपाई दूसरे मुद्दे उठाते हैं। प्रदेश के पिछड़ेपन से ध्यान हटाने का भी यह प्रयास है।

उन्होंने कहा कि लाखों करोड़ों के एमओयू साइन होने का दावा है लेकिन जमीन पर कोई काम नहीं दिख रहा है। दरअसल भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है।

वक्फ तो बहाना है इरादा ध्रुवीकरण कराना है

बुलेटिन ब्यूरो

केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा संसद में लाए गए वक्फ संशोधन बिल का समाजवादी पार्टी ने संसद के दोनों सदनों में जबरदस्त विरोध किया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव शुरू से ही इस मुद्दे पर मुखर होकर विरोध करते रहे हैं। उन्होंने इस बिल के अस्तित्व में आने से लेकर जेपीसी और फिर सदन में बिल को लेकर हुए मतदान के दिन तक भाजपा सरकार की घेराबंदी की।

इस बिल के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद की और इसे सिरे से नकारते हुए भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सड़क से सदन तक बिल पर ऐसे सवाल खड़े किए कि जिसका जवाब भाजपा सरकार के पास नहीं था।

लोकसभा में श्री अखिलेश यादव ने खुद बिल के खिलाफ मोर्चा संभाला तो राज्यसभा में प्रो रामगोपाल यादव के नेतृत्व में सपा सांसदों ने सरकार को घेरा। लोकसभा से राज्यसभा तक समाजवादी सांसदों के तीखे सवालों से भाजपा सरकार परेशान हो गई मगर बहुमत के आधार पर उसने बिल को पास करा लिया और लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज, उसके सवालों को अनसुना कर दिया।

पूरा देश वाकिफ है कि जब भाजपा सरकार ने वक्फ संशोधन कानून का मसौदा तैयार किया और उसके बारे में मुद्दा उछाला तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव उसके खिलाफ डटकर खड़े हो गए। उन्होंने हर स्तर पर विरोध किया। मुस्लिम पर्सनल लाॅ बोर्ड ने जंतर-मंतर पर जब इस कानून के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया और राजनैतिक दलों को भी इसमें आमंत्रित किया तो समाजवादी पार्टी के तमाम सांसद व नेता इसमें शामिल हुए।

सपा सांसदों ने इस कानून के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई का भरपूर समर्थन देने का प्रदर्शन के दौरान ऐलान किया। इस मसले पर गठित जेपीसी में भी समाजवादी पार्टी ने जोरदार विरोध जताया था और इसे सिरे से खारिज कर दिया मगर भाजपा की मनमानी नहीं रुकी।

2 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल पर

लोकसभा में चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बिल का विरोध करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन बिल भाजपा की साम्प्रदायिक राजनीति का नया रूप है। भाजपा सरकार अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए यह बिल लाई है। वक्फ संशोधन बिल के पीछे न तो भाजपा की नीति सही है और न ही नीयत। वक्फ बिल में मुसलमान भाइयों की बात नहीं सुनी गई।

उन्होंने सवाल किया कि जब मुसलमानों की बात नहीं सुनी गई तो वक्फ बिल उनके पक्ष में कैसे है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस बिल से दुनिया में गलत संदेश जाएगा। देश की सेकुलर इमेज को बहुत धक्का लगेगा। यह बिल भाजपा की नफरत की राजनीति का एक और अध्याय है। वक्फ बिल भाजपा के लिए वाटरलू साबित होगा। ऊपर से भले ही भाजपा के सहयोगी इस बिल के साथ दिखाई दे रहे हैं लेकिन अंदर से सहमत नहीं हैं। भाजपा सरकार का वक्फ बिल कोई उम्मीद लेकर नहीं आएगा। भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए नया बिल लाती है। बीजेपी के अन्दर मुकाबला चल रहा है कि कौन खराब हिन्दू है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस बिल के जरिए देश के करोड़ों लोगों से उनके घर और दुकानें छीनने की साजिश है। भाजपा एक अलोकतांत्रिक पार्टी है। भाजपा असहमति को अपनी शक्ति मानती है। जब देश के अधिकांश राजनीतिक दल वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ हैं तो उसे लाने की जिद भाजपा सरकार क्यों कर रही है। वक्फ बिल का लाना भाजपा का सियासी हठ है। भाजपा वक्फ बिल लाकर अपने उन समर्थकों का तुष्टीकरण करना चाहती है, जो भाजपा की आर्थिक नीति, महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी और चौपट अर्थव्यवस्था से उससे छिटक गए हैं।

जब से लोकसभा चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश में वोट में भाजपा का गिरावट आयी है वह परेशान है। उसकी कोशिश है कि कैसे बिखरता वोट संभाला जाए। श्री यादव ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य वक्फ की जमीन है। इन जमीनों का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर पिछले दरवाजे से अपने लोगों के हाथों में देना चाहती है। भाजपा चाहती है कि वक्फ बिल लाने से मुस्लिम समुदाय को लगे कि उनका हक मारा जा रहा है ताकि वे उद्वेलित हों और भाजपा को ध्रुवीकरण का मौका मिल सके। उसका लक्ष्य ध्रुवीकरण की राजनीति करना है। भाजपा मुस्लिमों में भी बंटवारा करना चाहती है। इनकी कोशिश है इस बिल के जरिए मुस्लिम भाइयों में बंटवारा हो जाए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार गारंटी दे कि वक्फ की जमीन कभी बेची नहीं जाएगी। सरकार गारंटी दे कि वक्फ की जमीन कभी भी किसी पैंतरेबाजी से किसी और मकसद के लिए किसी और को नहीं दी जाएगी। वक्फ की व्यवस्था में चाहे पांच साल के धर्म पालन की पाबंदी की बात हो या कलेक्टर से सर्वेक्षण की बात हो या वक्फ परिषद या बोर्ड में बाहरियों को शामिल करने की बात हो।

भाजपा का उद्देश्य मुस्लिम भाइयों के सार्वजनिक अधिकार को छीनकर उनके महत्व और नियंत्रण को कम करना है। ट्रिब्यूनल के निर्णय को अंतिम न मानकर उच्च न्यायालय में ले जाने की अनुमति देना दरअसल जमीनी विवाद की लम्बी न्यायिक प्रक्रिया में फंसा कर वक्फ भूमि के कब्जों को बनाए रखने का रास्ता खोलेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का हर फैसला नाकाम रहा है। नोटबंदी का फैसला बहुत तैयारी के साथ लाए थे। लेकिन वह नाकामयाब साबित हुई। उस नोटबंदी की नाकामी के बारे में भी चर्चा होनी चाहिए। उससे भ्रष्टाचार नहीं खत्म हुआ। नोटबंदी के बाद अभी भी तमाम जगह रुपया निकल रहा है। नाकामी सिर्फ नोटबंदी की नहीं बेरोजगारी, महंगाई की भी है। किसान की आय दोगुनी नहीं कर पाए। भाजपा की ये क्या नाकामी नहीं है? क्या गंगा, यमुना साफ हो गयी? क्या स्मार्ट सिटी बन गई।

मुस्लिम समाज का भरोसा टूटा

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

जिस वक्फ कानून को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पास किया, उसके स्वरूप और चरित्र को लेकर कभी किसी को कोई शक नहीं रहा लेकिन उससे जुड़े विधेयक को पास कराने में उसने सारा कर्म कुकर्म किए, सारा प्रबंधकीय कौशल दिखाया, राजनैतिक प्रबंधन के जरिए सिर्फ अपने दो सेकुलर रहे सहयोगियों को ही नहीं बीजू जनता दल जैसे नाराज चल रहे दल को साथ लेकर राजनैतिक जीत भी हासिल की।

पुराना वक्फ कानून दोषपूर्ण है और वक्फ संपत्ति की लूट हुई है, इन दो बातों को ब्रह्मवाक्य की तरह दोहराया गया और प्रमाण देने की जरूरत नहीं हुई। उत्तर प्रदेश वक्फ बोर्ड, जो सबसे बड़ा है, के प्रमुख की करामाती नियुक्ति और ज्यादातर प्रबंधकों के लगातार इतने सालों से बने रहने जैसे

सवालों का जवाब तो नहीं ही दिया गया, बिना प्रमाण यह बात कही गई कि वक्फ जिस संपत्ति पर हाथ रख दें वह उसकी हो जाती है और उसके फैसले को किसी भी अदालत में नहीं बदला जा सकता।

ऐसे विवाद कहीं हुए होंगे, पर हिन्दू और हिन्दू में और मुसलमान तथा मुसलमान में भी विवाद हो सकता है तो हिन्दू और मुसलमान में विवाद हो तो क्या आश्चर्य। ठोस उदाहरण और वक्फ के मुकाबले अदालतों को शक्तिहीन दिखाने वाले मामले सामने करने की जगह लगातार झूठ प्रचारित हुआ और इंक्रोचमेंट से लेकर वक्फ संपत्ति के अलग उद्देश्यों (मुख्यत: व्यावसायिक लाभ) के लिए इस्तेमाल होने की बात भुला दी गई। इतना ही नहीं, आगे की कोई साफ योजना न बताकर सिर्फ वक्फ पर कब्जा करने जैसे कदम को कानूनी जामा पहना दिया गया।

आगे की जो योजना बताई गई उसमें गैर मुसलमान को भी बोर्ड में रखने से लेकर कलक्टर को सर्वशक्तिमान बनाने जैसे कदमों पर मुसलमान समाज और सेकुलर राजनीति करने वाले जमात की तीखी प्रतिक्रिया का कोई ध्यान नहीं रखा गया। ग्यारह साल के मोदी शासन में पहली बार इस बिल पर जेपीसी का गठन हुआ तो वहां भी विपक्ष की कोई सुनवाई नहीं हुई और उसकी तरफ से आए चालीस से ज्यादा संशोधनों को सीधे खारिज कर दिया गया।

खुद प्रधानमंत्री इस पूरी चर्चा में गैरमौजूद रहे। सारा कुछ अमित शाह और जेपी नड्डा करते रहे। केंद्र सरकार की मोटी थैली से आंध्र और बिहार के लिए निकलने वाली योजनाओं ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की जुबान बंद करा दी थी। विपक्ष भी एनडीए के मतभेदों को उभारकर कुछ अड़ंगा नहीं लगा पाया।

अब अचानक सर्वोच्च अदालत में इस नए कानून के खिलाफ अर्जियों की झड़ी लग गई है। किसी राजनैतिक सामाजिक लड़ाई को उसके अपने मंचों और सड़क पर लड़ने की जगह अदालत में ले जाना थोड़ा जोखिम का काम है। यह एक मायने में हारने की मंशा बनाने की तैयारी भी है।

भाजपा ने मुसलमानों को मसलने-कुचलने और अपमानित करने और उस नाम पर हिंदुओं का ध्रुवीकरण करने की जो साफ नीति चलाई है उसमें जरा भी दया या शासकीय कर्तव्य बोध का एहसास नहीं है

ऐसे लोग हैं जिनका मानना है कि अदालतों में ये मामले या सड़कों पर उतरे मुसलमानों का गुस्सा इस कानून के खिलाफ कम, इससे मुसलमान समाज और इस सरकार के बीच अविश्वास का प्रदर्शन ज्यादा होता है। इस सरकार में मुसलमानों का भरोसा टूट गया है।देश के दूसरे सबसे बड़े समुदाय का भरोसा सरकार पर न हो तो वह कैसा और कितना बढ़िया शासन चलाएगी यह सहज सोचा जा सकता है।

सीएए पर भी यह स्थिति बनी थी और तब स्वत:स्फूर्त ढंग से मजबूत अहिंसक सत्याग्रह उभरा था। इस बार सारा जोर अदालती अर्जियों पर है और यह लड़ाई के कमजोर पड़ने का ही प्रमाण है। जब तक सरकार और मुसलमानों के बीच व्यापक और लंबा संवाद नहीं चलेगा अविश्वास दूर नहीं होगा।

दिखावे के लिए भी कहीं कहीं मुसलमान उम्मीदवार उतारने का पुराना भाजपाई खेल बंद हो चुका है। अब तो कभी 'सौगाते ईद' तो कभी पसमांदा मुसलमानों की नकली चिंता और कभी मुसलमान औरतों को तीन तलाक से मुक्ति दिलवाने जैसे दावों के सहारे अपना खेल खेला जाता है लेकिन असल में यह मुसलमान समाज के जले पर नमक छिड़कना ही है।

भाजपा ने मुसलमानों को मसलने-कुचलने और अपमानित करने और उस नाम पर हिंदुओं का ध्रुवीकरण करने की जो साफ नीति चलाई है उसमें जरा भी दया या शासकीय कर्तव्य बोध का एहसास नहीं है। आप एक धर्मनिरपेक्ष लोकतान्त्रिक देश में शासन कर रहे हैं तो आपके शासन करने और व्यवहार को लेकर बहुत साफ संवैधानिक व्यवस्थाओं के साथ स्थापित मर्यादाएं हैं। उसके इतर आप मुसलमानों समेत सारे अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों, औरतों और पिछड़ों के साथ जो व्यवहार कर रहे हैं वह स्थापित मान्यताओं के अनुरूप तो नहीं ही है, संवैधानिक जिम्मेवारियों से भी उलट है।

मुसलमानों को अपमानित करने या उनकी महत्वाकांक्षाओं को कुचलने या नीचा दिखाने के लिए वक्फ को इतना बड़ा मुद्दा बनाना भी आसानी से समझ नहीं आता। विविध धर्म/पंथ और धार्मिक आजादी वाले शासन में किसी एक समाज के दान-पुण्य वाले पक्ष के सहारे मान-अपमान या

प्रबंधन/कुप्रबंधन का सवाल इतना महत्वपूर्ण नहीं होता।

इसलिए कुछ लोगों की इस आशंका में सच्चाई हो सकती है कि इस कानून के सहारे भाजपा सारे मस्जिदों, ईदगाहों, मदरसों और अन्य मजहबी संस्थाओं में सीधी दखल का अधिकार पा लेगी। कलक्टरों के माध्यम से उनका संचालन होगा तो उसके विरोध में आवाज़ें जितनी मुखर होंगी हिंदुओं के गोलबंद होने का काम उतनी आसानी से होगा।

लेकिन ऐसे लोग भी हैं जो इस कानून को तीन कृषि बिल, आदिवासियों की जमीन का कानून और शहरी भूमि कानून में छेड़छाड़ के बाद वक्फ की जमीन पर मनमाना करने का प्रयास मानते हैं। अब मामला जमीन पर गिद्ध दृष्टि का हो और सिर्फ अल्पसंख्यक निशाने पर हों तो यह बात और खतरनाक हो जाती है।

ऐसे लोग भी हैं जो इस कानून को तीन कृषि बिल, आदिवासियों की जमीन का कानून और शहरी भूमि कानून में छेड़छाड़ के बाद वक्फ की जमीन पर मनमाना करने का प्रयास मानते हैं

हम जानते हैं कि नरेंद्र मोदी सत्ता में आने के बाद से ही देश के भूमि कानून में कमियां बताते रहे हैं और दो बार इन्हें बदलने का प्रयास कर चुके हैं जिनमें से एक बार तो किसानों ने साल भर से ज्यादा आंदोलन चलाकर सरकार को झुका दिया था। संयोग से उनके सत्ता में आने के ठीक पहले ही यूपीए-2 की सरकार ने देश के सौ साल से ज्यादा पुराने भूमि कानून को बदला था।

लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह हुई कि देश के किसान स्वत:स्फूर्त ढंग से जागे। उनमें फूट डालने, उनके खिलाफ माहौल बनाने, उनको देशद्रोही बताने औरन जाने क्या-क्या कहने का लंबा दौर चला। उनको दिल्ली में घुसने से रोकने से लेकर जाने कितने तरह के कष्ट दिए गए लेकिन सैकड़ों जान गंवाकर भी किसान तेरह महीने डटे रहे और जब चुनाव पास आया तो मोदी को झुकना पड़ा।

इसलिए मोदी सरकार की नजर देश के किसानों, आदिवासियों, मुसलमानों और क्रिस्तानों की जमीन पर लगी है यह कोई बहुत नई बात नहीं है।डर दिखाकर बहुसंख्यकों का वोट लेने वाले मोदी जी अभी तक जमीन वाले मिशन में कामयाब नहीं हुए हैं। ऐसे में डरना और अदालत जाने की जगह लड़ना है। मुसलमानों और उनके साथ हो रहे अन्याय की परवाह करने वालों को भी राजनैतिक लड़ाई लड़नी होगी।

बेवजह की हमदर्दी

राजकुमार भाटी

पहले एक कहानी सुनिए। कक्षा में अध्यापक ने छात्रों को नैतिक शिक्षा देते हुए समझाया कि राह चलते आपको कोई वृद्ध, बीमार या अंधा व्यक्ति मिल जाए तो उसका हाथ पकड़कर सड़क पार करा देनी चाहिए । अगले दिन चार छात्र देरी से कक्षा में पहुंचे। अध्यापक ने इसका कारण पूछा तो चारों का जवाब एक ही था- "एक अंधे वृद्ध व्यक्ति को सड़क पार कराने में देरी हो गई।"

अध्यापक ने पूछा कि एक बूढ़े को सड़क पार कराने में तुम चारों को देरी कैसे हो गई? छात्रों ने बड़ी मासूमियत से जवाब दिया- "बूढ़ा व्यक्ति तो सड़क पार जाना ही नहीं चाहता था। हाथ पैर पकड़कर उसे घसीट

कर सड़क के उस पार ले जाना पड़ा।"

वक्फ बोर्ड संशोधन कानून को लेकर भी कुछ यही हाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी का है। जिस मुस्लिम समुदाय के कल्याण की दुहाई देकर संशोधन बिल लाया गया उस समुदाय को प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार की नीयत पर भरोसा नहीं है।

वे कह रहे हैं कि हमें अपना कल्याण नहीं कराना। आप वक्फ़ कानून में संशोधन मत कीजिए किंतु केंद्र सरकार इस जिद पर अड़ी हुई है कि नहीं, हमें तो मुस्लिम समुदाय का कल्याण करना ही है। और तमाम सुझावों, संशोधनों और आपत्तियों को दरकिनार करते हुए संसद में बहुमत के सहारे संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पास कर दिए गए।

करीब डेढ़ दर्जन याचिकाकर्ताओं ने नए कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और सड़क पर भी जगह-जगह इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी की नीयत पर संदेह करने के पर्याप्त कारण हैं। भाजपा और उसके मातृ संगठन आरएसएस की नीति प्रारंभ से ही मुस्लिम विरोधी और हिंदू तुष्टिकरण की रही है। संघ के सर संघ चालक रहे एमएस गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ए बंच आफ थॉट्स में साफ-साफ लिखा है कि मुसलमान और ईसाई हमारे आंतरिक शत्रु हैं।

आज के दिन तक भी भाजपा और आरएसएस के नेताओं-कार्यकर्ताओं को अल्पसंख्यक समुदायों खासतौर से मुसलमानों के प्रति आपत्तिजनक, घृणास्पद और अपमानित करने वाले बयान देते देखा-सुना जा सकता है।

हाल के महीनों में गिरिराज सिंह, रमेश बिधूड़ी, अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा, हिमंत बिस्वसरमा, कपिल मिश्रा, योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस, कंगना रणावत और प्रज्ञा ठाकुर जैसे अनेक लोगों के बयानों को आप याद कर सकते हैं।

छुटभैया नेताओं को तो छोड़िए संघी कुनबे के सर्वोच्च नेता और देश के प्रधानमंत्री लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान मुस्लिम समाज के लिए किस तरह की शब्दावली का प्रयोग कर रहे थे वह भी पूरी दुनिया ने सुना।

पहला प्रश्न यही है कि जो संगठन और विचारधारा घोषित रूप से पूरे मुस्लिम समुदाय को अपना शत्रु मानते हों, जिनके

फोटो स्रोत : गूगल

नेता समय-समय पर पूरे समुदाय के खिलाफ जहर उगलते रहते हों और जो पार्टी लोकसभा-विधानसभा के लिए पूरे समुदाय को एक भी टिकट न देती हो, वह समुदाय उस पार्टी, उस विचारधारा, उसके नेताओं पर कैसे विश्वास करे?

दूसरा प्रश्न यह है कि वक्फ बिल संशोधन के जो घोषित उद्देश्य बताए जा रहे हैं, वह लाए गए संशोधनों से मेल नहीं खाते। यानी निगाहें कहीं हैं और निशाना कहीं और।

इस बिल पर चर्चा करते समय भाजपा नेता और उनके समर्थक एक साथ दो विरोधाभासी बातें बोलते हैं। पहली यह कि संशोधन इसलिए लाए गए हैं कि वक्फ बोर्ड से भ्रष्टाचार को दूर किया जा सके, प्रबंधन में सुधार करके वक्फ की आय बढ़ाई जा सके और वक्फ संपत्तियों का सदुपयोग गरीब व पिछड़े मुसलमान और महिलाओं के हित में किया जा सके। दूसरी सांस में वह यह कहते हैं कि वक्फ बोर्ड भूमाफिया बन गए हैं। वे जिस जमीन पर उंगली रख देते हैं वह उनकी हो जाती है।

प्रश्न यही है कि जो संगठन और विचारधारा घोषित रूप से पूरे मुस्लिम समुदाय को अपना शत्रु मानते हों, जिनके नेता समय-समय पर पूरे समुदाय के खिलाफ जहर उगलते रहते हों और जो पार्टी लोकसभा-विधानसभा के लिए पूरे समुदाय को एक भी टिकट न देती हो, वह समुदाय उस पार्टी, उस विचारधारा, उसके नेताओं पर कैसे विश्वास करे

वक्फ के पास रेलवे और सेना के बाद तीसरे नंबर की सर्वाधिक जमीन है और कई जगह सरकारी व प्राइवेट जमीनों पर बोर्डों ने अवैध कब्जे कर रखे हैं। यह विश्वास करना मुश्किल है कि कानून में बदलाव करने के पीछे सरकार का उद्देश्य वक्फ बोर्ड से भ्रष्टाचार दूर करना और मुस्लिम समुदाय का कल्याण करना है क्योंकि कानून में जो संशोधन किए गए हैं उनमें एक भी ऐसा नहीं है जो इन उद्देश्यों की पूर्ति करता दिखाई दे।

संशोधनों का प्रभाव तो यह होगा कि वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों का बहुमत हो जाएगा, जिलाधिकारी को असीमित अधिकार मिल जाएंगे, विवादित संपत्तियां बोर्ड के कब्जे से निकल जाएंगी और हर मुकदमे को हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट ले जाने का रास्ता खुलने से असीम काल तक मुकदमेबाजी का सिलसिला शुरू होगा।

नए वक्फ कानून के क्या-क्या नुकसान होंगे इसके पहले रुझान भाजपा शासित उत्तर प्रदेश से आने शुरू हो गए हैं । इधर राज्यसभा में बिल पास हुआ और उधर सुबह 4 बजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेज कर निर्देश दिए कि सभी वक्फ संपत्तियों की जांच कर विवादास्पद संपत्तियों को सरकारी कब्जे में लिया जाए।

योगी जी ने एक बयान में यह भी कहा है कि वे 1359 फसली के राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर फैसला लेंगे। 1359 फसली का मतलब होता है 1952। यानी उत्तर प्रदेश सरकार केवल उन संपत्तियों को निर्विवादित मानेगी जो 1952 के राजस्व रिकॉर्ड में वक्फ बोर्ड के नाम दर्ज होंगे।

उक्त तथ्यों एवं तर्कों की रोशनी में विपक्षी दलों के आरोप में दम नजर आता है कि वक्फ संशोधन बिल, जो अब कानून बन चुका है, की मंशा मुस्लिम समाज का कल्याण करना नहीं, बल्कि वक्फ की संपत्तियों को हड़पना और मुस्लिम समुदाय को परेशान करना है।

(लेखक समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता हैं)

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

उत्तर प्रदेश में कानून का राज ध्वस्त

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा राज में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था इतनी चौपट हो चुकी है कि देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की है कि उत्तर प्रदेश में कानून का शासन ध्वस्त हो गया है।

उत्तर प्रदेश में सिविल मुकदमों को आपराधिक मामलों में तब्दील करने के ताजा मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाली पीठ ने 7 अप्रैल को सुनवाई के दौरान कहा कि यह कानून के शासन का पूरी तरह पतन है।

याद दिला दें कि इससे पहले उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट कड़ी फटकार लगा चुका है। प्रयागराज के एक मामले में तो सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की कार्रवाई को अमानवीय व अवैध तक करार दिया था।

7 अप्रैल को गौतमबुद्ध नगर के एक व्यक्ति की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को फटकार लगाई। चेक बाउंस से जुड़े सिविल के मामले को आपराधिक केस में तब्दील कर यूपी पुलिस द्वारा चार्जशीट लगाने पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाली पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि यह जो उत्तर प्रदेश में हो रहा है वह गलत है। कोर्ट ने कहा कि हर दिन सिविल मुकदमों को आपराधिक मामले में बदला जा रहा है। यह हास्यास्पद है कि सिर्फ पैसा न देना अपराध बन जाए। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में ऐसे मामले सामने आए तो पुलिस पर जुर्माना लगाया जाए।

दरअसल चेक बाउंस के विवाद को

फोटो स्रोत : गूगल

आपराधिक मामला बनाते हुए नोएडा में चार्जशीट दाखिल की गई थी जिसके खिलाफ याची हाईकोर्ट गया था मगर वहां राहत न मिलने पर वह सुप्रीम कोर्ट की शरण में गया था। याची की शिकायत थी कि पुलिस ने रिश्वत लेकर उनके सिविल मामले को आपराधिक केस में बदल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में आपराधिक कार्रवाई पर रोक लगाते हुए यूपी के डीजीपी और जांच अधिकारी को दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

यह पहली बार नहीं हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की आलोचना की हो। दिसंबर 2024 में भी सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी ही टिप्पणी की थी।

बुलडोजर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणयों के बाद भी योगी सरकार ने अपना रवैया नहीं बदला और अपना एक्शन जारी रखा।

कुशीनगर के बाद अंबेडकरनगर का मामला बिल्कुल ताजा है जिसमें बुलडोजर एक्शन से खौफजदा मासूम बच्ची अनन्या अपना स्कूल बैग और किताबें सीने से लगाकर भागती दिखती है। मासूम बच्ची की तस्वीर इतनी वायरल हुई कि प्रयागराज में 2021 में हुए बुलडोजर एक्शन की सुनवाई करते हुए 1 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के जजों ने इस वीडियो का भी हवाला दिया। जजों ने कहा कि यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में 2021 में शासन के निर्देश पर हुए बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज डेवलपमेंट ऑथोरिटी को 5 याचिकाकर्ताओं को 10 – 10 लाख रुपए मुआवजा देने का फैसला सुनाया। साथ ही 6 महीने के भीतर मुआवजा देने की मियाद भी तय कर दी। कोर्ट ने कहा कि यह मुआवजा इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में सरकारें बिना उचित प्रक्रिया के लोगों के मकान गिराने से परहेज करें।

दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि देश में कानून का शासन है और नागरिकों के आवासीय ढांचों को इस तरह से नहीं ढहाया जा सकता। अदालत ने यह आदेश अधिवक्ता जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। उत्तर प्रदेश से संबंधित इन मामलों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को स्वागत योग्य बताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को बुलडोजर एक्शन पर अब से चेत जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सच है कि घर केवल पैसे से नहीं बनता और न ही उनके टूटने का जख्म सिर्फ पैसों से भरा जा सकता है। परिवार वालों के लिए तो घर एक भावना का नाम है और उसके टूटने पर जो भावनाएं हत होती हैं, उनका न तो कोई मुआवजा दे सकता है और न ही कोई पूरी तरह पूर्ति कर सकता है।

आधी आबादी को उसका पूरा हक देगी सपा

बुलेटिन ब्यूरो

लोहिया के लोग जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के तत्वावधान में 23 मार्च को समाजवादी महिला सभा द्वारा लखनऊ में भव्य अजया महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रमुख महिलाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व मैनपुरी की लोकप्रिय सांसद श्रीमती डिंपल यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में महिलाओं को कई सम्मान दिए गए, 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर महिलाओं को और सम्मान दिया जाएगा। श्री यादव ने कहा कि भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा को लेकर समाज में जो भी कदम उठेगा भारत में नारी का नाम ही उसमें आगे आएगा।

श्री अखिलेश यादव ने अमेरिका में राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी रहीं हिलेरी क्लिंटन की आत्मकथा का उल्लेख करते हुए अमेरिका में रेड इंडियन की मनोभावना की चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में भी वंचित वर्ग उन्हीं परिस्थितियों से गुजर रहा है। अमेरिका में भी रेड इंडियन के साथ शिक्षा के नाम पर भेदभाव होता था। यही स्थिति हमारे यहां भी लंबे समय से चल रही थी जिसमें अब बदलाव आना शुरू हुआ है।

श्री यादव ने कहा कि सावित्री बाई फुले और फातिमा शेख ने महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में जो सुधार का प्रयास किया था उसका असर यह है कि महिलाएं सभी क्षेत्रों में बराबरी पर कदमताल कर रही हैं। श्री यादव ने उत्तर प्रदेश में महिला उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाजपा सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह फेल है। भाजपा सरकार के गृह मंत्रालय का आंकड़ा है कि यूपी महिलाओं पर अत्याचार

समाजवादी पार्टी
समाजवादी पार्टी
राष्ट्रीय महिला सभा
अजया
महिला
सम्मान
समारोह

की घटनाओं में नंबर एक पर है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना समाज की प्रगति अधूरी है। हमें हर क्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर और सुरक्षा प्रदान करनी होगी। समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्षरत रही है। समाजवादी सरकार में कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया गया था।

सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने भी महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने की जरूरत है। जब महिलाएं आगे बढ़ेंगी तभी समाज और देश प्रगति करेगा। महिलाओं में ही क्षमता होती है कि एक परिवार में पैदा होती हैं और विवाह के बाद दूसरे परिवार का भी पूरा ख्याल रखती हैं। हमारे समाज में पुरुषों के सपनों को विशेष महत्व दिया जाता है जबकि महिलाओं को अपने सपनों के बारे में चर्चा को भी समाज पूरी तरह स्वीकार नहीं करता। परिवार और कॅरियर में संतुलन महिलाओं से ही सीखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन उन्हें और अधिक अवसर और सुरक्षा देने की आवश्यकता है। हमें ऐसा समाज बनाना होगा जहां महिलाएं बिना डर के अपने सपनों को साकार कर सकें। समाजवादी पार्टी महिलाओं को हर स्तर पर सशक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है।

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण, रोजगार के अवसर और शिक्षा को प्राथमिकता देना समाजवादी पार्टी की नीति रही है और हम इसे और मजबूत करने के लिए निरंतर

अखिलेश को मजबूत करने का महिलाओं ने लिया संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

जौनपुर में आयोजित महिला सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को मजबूत करने और हर तरह से उनका साथ देते हुए 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया गया।

बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में 16 मार्च को महिला सम्मेलन का आयोजन श्रीराम जानकी मंदिर के समीप पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री संगीता यादव ने किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने सम्मेलन की अध्यक्षता की जबकि बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री श्यामलाल पाल ने शिरकत की।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि पूरे देश में भाजपा सरकार में शोषितों, वंचितों, दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों के अधिकार, रोज़गार, आरक्षण और संविधान की लड़ाई समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लड़ रहे हैं। इस लड़ाई में पीडीए समाज की एकता और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने पीडीए समाज का आह्वान किया कि संविधान, आरक्षण और युवाओं के भविष्य के लिए रोजगार बचाने और मंहगाई पर नियंत्रण करने के लिए समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करें।

प्रयासरत रहेंगे।

समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह ने महिला सम्मान समारोह में आगत सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक नारा नहीं बल्कि समाज की वास्तविक जरूरत है।

समारोह में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, प्रशासन, समाज सेवा और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रमुख समाजसेवी भाव्य कपूर, डॉ. अनीता रंजन, आक्षी मेहता, डॉ. सानिया, रश्मि पांडेय, सुमन कठहरिया, श्रीमती विमला, रूपाली, इति कपूर, फ़रीदा जलील, मन्ना निषाद, डॉ प्रज्ञा पांडेय, सुरभि श्रीवास्तव, शीला यादव, ममता शर्मा, आरुषि त्रिपाठी, रामा अरुण त्रिवेदी, देवांशी सेठ डोली सूरी, अनीता सिंह रावत, भावना शुक्ला, विधायक नसीम सोलंकी, पूर्व विधायक गजाला लारी, पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला के अलावा डॉयल 100 में कार्य कर चुकी प्रतीक्षा प्रिय तिवारी, आकांक्षा, रोमा रावत, आरती को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव और डिंपल यादव ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी महिला सभा की पदाधिकारियों को सफल आयोजन की बधाई देते हुए आयोजक राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सभा जूही सिंह, उपाध्यक्ष नेहा यादव, उपाध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनीता मिश्रा, जाह्नवी राष्ट्रीय सचिव, डॉ. सरोज, सुमैया राणा, कांति सिंह को भी सम्मानित किया।

बहादुर अनन्या को मिला अखिलेश का साथ

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के एक नहीं सैकड़ों मामले ऐसे हैं कि जब पीड़ित का साथ सरकार भी छोड़ देती है तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव साथ खड़े हो जाते हैं। वह पीड़ितों के आंसू पोंछते हैं, हौसला बढ़ाते हैं और भरसक आर्थिक मदद भी करते हैं।

श्री अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के एकमात्र ऐसे राजनेता हैं जो किसी की तकलीफ नहीं देख सकते। तकलीफ के बारे में जानते ही वह द्रवित हो जाते हैं और फौरन मदद को आगे आ जाते हैं। अंबेडकरनगर की बहादुर बच्ची अनन्या के साथ भी ऐसा ही हुआ।

सरकार का बुलडोजर जब अनन्या के गांव में झोपड़ियों को गिराने में जुटा था तो यह मासूम बच्ची दौड़ते हुए अपनी झोपड़ी के अंदर गई और अपना स्कूल बैग सीने से

लगाकर वापस बाहर की ओर भागी। उसकी यह तस्वीर वायरल हुई और सुप्रीम कोर्ट तक ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान इस तस्वीर को विचलित करने वाला बताया था।

बहादुर अनन्या की यह तस्वीर देखकर श्री अखिलेश यादव भी विचलित हो गए। मासूम अनन्या की पढ़ाई के प्रति ललक देखकर उन्होंने परिवार सहित उसे 5 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ पर ससम्मान आमंत्रित किया। उसकी हौसला अफजाई की। उन्होंने बहादुर अनन्या को स्कूली बैग में पाठ्य पुस्तकें, साइकिल तथा आर्थिक सहयोग देकर सम्मानित करते हुए उसकी पूरी शिक्षा के लिए सहयोग करने का आश्वासन भी दिया।

बुलडोजर के खौफ से स्कूली बैग लेकर भागती बहादुर अनन्या व उसका परिवार जब श्री अखिलेश यादव से मिला तो उन्हें सरकार के अन्याय, अत्याचार की दास्तान बताई। अनन्या के साथ उसके दादा राम मिलन यादव, बड़े पापा मनोज यादव, पिता अभिषेक यादव, माता नीतू यादव, चाचा अरूण यादव और छोटा भाई आदर्श ने भी श्री अखिलेश यादव से भेंट की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अनन्या और उसके परिवार को जीरो पावर्टी योजना से जोड़े। उस बेटी के परिवार और उस गांव के जितने भी गरीब हैं उन्हें प्रधानमंत्री आवास दे।

इससे पहले 5 अप्रैल को ही समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में महर्षि कश्यप, निषादराज गुह्य और सम्राट अशोक की जयंती मनाई गई। इन महापुरुषों के चित्रों पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने श्रृंगवेरपुर नरेश महाराजा निषादराज, सृष्टि की रचना के सूत्रधार महर्षि कश्यप तथा महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेना चाहिए। उनके आदर्श एवं जीवन मूल्य हमारे लिए आदर्श हैं।

जयंती एवं अनन्या के सम्मान के समय सर्वश्री शिवपाल सिंह यादव, देवेश शाक्य एटा, सांसद लालजी वर्मा, राजेन्द्र चौधरी, राम अचल राजभर, राममूर्ति वर्मा, त्रिभुवन दत्त, सुभाष राय, रविदास मेहरोत्रा विधायक, अरविन्द सिंह पूर्व सांसद, उदयवीर सिंह, अतहर खां, लीलावती कुशवाहा, हीरा लाल यादव, एवं कुंवर अरुण सभी पूर्व विधायक, पूजा शुक्ला पूर्व प्रत्याशी उत्तर क्षेत्र, नाहिद लारी खान, फखरूल हसन चांद, जंग बहादुर यादव जिलाध्यक्ष अंबेडकरनगर, डॉ अभिषेक सिंह जलालपुर, अखिलेश यादव विधानसभा अध्यक्ष जलालपुर, हाजी अब्दुलबशर अंसारी चेयरमैन नगर पालिका जलालपुर, विनीत कुशवाहा, कृष्ण कन्हैया पाल, वंदना चतुर्वेदी, डॉ नरेन्द्र, सिद्धार्थ मिश्रा, मरगूब कुरैशी, केके श्रीवास्तव, डॉ हरिश्चंद्र एवं राधेश्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

लोहिया जी के बताए रास्ते पर डटी रहेगी सपा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी आंदोलन के महानायक डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती 23 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में सादगी से मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम लखनऊ केडॉ राम मनोहर लोहिया पार्क गोमती नगर में हुआ जहां डॉ लोहिया की प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने माल्यार्पण कर नमन किया।

लखनऊ चौक स्थित लोहिया पार्क और डॉ राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान गोमती नगर में भी डॉ लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

डा लोहिया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया ने हम लोगों को सप्तक्रांति का आंदोलन, अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए समाजवादी सिद्धांत और रास्ता दिया। उन्होंने गैरबराबरी और भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आज के दिन हम डॉ लोहिया को याद कर रहे हैं। हम समाजवादी लोग उन्हीं के बताए हुए रास्ते पर चल रहे हैं।

डॉ लोहिया ने हम लोगों को सप्तक्रांति का सिद्धांत और महंगाई के खिलाफ दाम बांधो की नीति दी थी। भाजपा सरकार में महंगाई बढ़ी हुई है। गैरबराबरी है। बेरोजगारी है। किसानों के सामने आर्थिक संकट है। आज के दिन समाजवादी साथी डॉ राममनोहर

लोहिया की सप्तक्रांति और दाम बांधो नीति के साथ उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ लोहिया के साथ ही देश के महान क्रांतिकारियों शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जी को भी वह याद करते हुए नमन करते हैं। इन क्रांतिकारियों को आज के ही दिन फांसी हुई थी। इन क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था।

डॉ राममनोहर लोहिया को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में सर्वश्री आरके चौधरी सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी रविदास मेहरोत्रा विधायक, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आदि प्रमुख रहे।

डॉ लोहिया पार्क गोमती नगर में प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि फतेहपुर जिले में भाजपा के पदाधिकारी उनके नेताओं परही आरोप लगा रहे हैं। आरोप लग रहा है कि जिनके पास खेती की कोई जमीन नहीं थी उनके पास कई सौ बीघा जमीन हो गयी है। जेसीबी मशीन, डंपर और ट्रकें खरीद ली हैं। जो जमीनें विवादित थी उस पर कब्जा कर लिया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी कई बार यह आवाज उठा चुकी है कि अयोध्या में भाजपा के लोगों ने जमीनों पर कब्जा कर लिया है। किसानों की जमीनें कम कीमतों पर छीन ली गई। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सभी ने देखा कि अयोध्या की महिला नौकरी की तलाश में वाराणसी गयी वहां से वह लखनऊ आयी। उसके साथ लूट, बलात्कार हुआ और हत्या हो गयी। कानून व्यवस्था इसलिए खराब है क्योंकि पुलिसिंग नहीं हो रही है। अधिकारी कर्मचारी सब लूट में लगे हुए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार हैं। गांव-गांव, घर-घर जाकर भाजपा की नाकामियों, भ्रष्टाचार, लूट और अन्याय को बताएंगे। किसान परेशान हैं। किसानों को फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। भाजपा ने सभी संस्थाओं को बर्बाद कर दिया है। समय बदलेगा। जनता भाजपा से हिसाब लेगी।

समाजवादी विरासत को बचाने की चुनौती

जयशंकर पाण्डेय

देश के महान समाजवादी विचारक डॉ. राममनोहर लोहिया का जन्मदिन और शहीदे आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की पुण्यतिथि 23 मार्च को थी। डॉ. राममनोहर लोहिया ने कभी भी अपना जन्मदिन इसलिए नहीं मनाया कि इसी दिन भारत की आजादी के लिए सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुख देव को लाहौर जेल में होने वाली 24 मार्च 1931 की फांसी की सजा 23 मार्च को ही सायंकाल में दे दी गई थी। उनकी मिट्टी का दाह संस्कार भी अंग्रेजों ने ठीक से नहीं करने दिया था।

महात्मा गांधी के परम प्रिय नेताओं में डॉ. राम मनोहर लोहिया भी थे जो गांधी जी के दर्शन और सिद्धान्तों के अनुसार देश की आजादी की रूप-रेखा तय करना चाहते थे, लेकिन आन्दोलन पर वर्चस्व उन लोगों का था जो गांधी जी के दर्शन से हटाकर पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव में आजादी की रूपरेखा तय कर रहे थे।

आजादी अपनी पहचान भी न बना पाई थी कि महात्मा गांधी की आतताई शक्तियों द्वारा हत्या कर दी गई। गांधी जी की हत्या से कांग्रेस के अन्दर जो लोग समाजवादी विचारधारा के पोषक थे, वे अपने को असहाय महसूस करने लगे और यह लगने लगा था कि कांग्रेस के साथ समाजवादी विचारधारा में आस्था रखने वाले लोग ज्यादा दिन तक साथ नही चल सकते। यहीं से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के रास्ते अलग हो गए।

डॉ राम मनोहर लोहिया गांधी जी के सत्य, अहिंसा और प्रेम से प्रभावित थे। सत्याग्रह को दुनिया का सबसे बड़ा हथियार मानते थे। उनकी यह समझ थी कि इस सत्याग्रह के द्वारा पूरी दुनिया को झकझोरा जा सकता है। एक नई चेतना पैदा की जा सकती है।

संसद से लेकर जनमानस तक के बीच में कांग्रेस की छवि गिरने लगी थी और कांग्रेस मूल रूप से गांधी जी के दर्शन और सिद्धान्त से हट चुकी थी। डॉ लोहिया चाहते थे कि देश के राजनैतिक दल न्यूनतम कार्यक्रम के आधार पर इकट्ठा होकर देश में पं जवाहर लाल नेहरू के हिमालयी व्यक्तित्व से टकराकर एक नई दिशा प्रदान करें। डॉ लोहिया ने गैर कांग्रेसवाद का नारा देकर पूरे देश में एक नई चेतना पैदा करने का काम किया।

1967 के आम चुनाव के आने तक उत्तरी भारत में गैर कांग्रेसवाद की लहर चल चुकी थी। डॉ लोहिया चाहते थे कि गैर कांग्रेसवाद के नाम पर जो संविद सरकारें गठित हुई हैं वह ऐसा कार्य करके दिखाएं जिसमें समाज का अन्तिम व्यक्ति भी अपने को गौरवान्वित महसूस कर सके। समाजवादी समाज की स्थापना संभव हो सकें।

डॉ. लोहिया के जन्म दिन के अवसर पर हम सभी समाजवादियों को आत्ममंथन करके यह प्रयास करना चाहिए कि हम समाजवादी विरासत को बचाने के लिए निष्ठा और ईमानदारी से विमुख तो नहीं हो रहे हैं।

इस संदर्भ में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को डॉ. लोहिया द्वारा लिखी गई चिट्ठी और कर्पूरी जी के जवाब से झलकता है कि डॉ लोहिया किस किस्म की सरकार चाहते थे।

(लेखक पूर्व विधायक व समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव हैं)

प्रिय कर्पूरी जी,

ये सही है कि जरूरत के वक्त आदमी याद आता है लेकिन अगर इतना फर्क हो जाए कि जिस दिन विधानसभा में डर लग रहा हो, उस दिन पटना से मेरे यहां 25 के करीब टेलीफोन आए और फिर बाद में कोई फिक्र न रहे कि वहां क्या करना है तो बात अखरती है। अभी तक धनबाद वाली जांच नहीं बैठी, असल में तो एक स्थायी गोली आयोग बैठा देना चाहिये, मंत्रियों की सलामी, हवाई जहाज, पुलिस वगैरह का कुछ किया जा रहा है और मुझे पता नहीं कि साथ में हमेशा चपरासी रहता है या नहीं। मंत्रियों के खर्चे में कितनी कमी हुई, इसका भी पता नही। नौकरशाही के बारे में क्या कर रहे हो यह भी पता नहीं अंग्रेजी हटाने का मामला कितना बढ़ा यह भी पता नहीं। जीवन का हर धंधा दुतरफा सड़क है। महामाया बाबू और तिवारी जी को भी यह पत्र दिखा देना क्योकि उस दिन उन्होंने भी दो बार टेलीफोन किया जिसमें से एक को मैने खुद सुना। आखिर बिहार सरकार ही एक सरकार है जिसके जरिये हम लोग अपनी कुछ शक्ल निखार सकते हैं।

सस्नेह

राम मनोहर

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1967

श्रद्धेय डॉक्टर साहब,

सादर प्रणाम!

आपका पत्र प्राप्त हुआ, आपका एक एक शब्द मेरे लिये मूल्य रखता है और मेरा ख्याल है अन्य साथियों के लिये भी। कभी-कभी किसी महत्वपूर्ण प्रश्न पर दो राय हो सकती है किन्तु यह कोई अस्वाभाविक बात नहीं है। मैं यह पूरी श्रद्धा के साथ कहना चाहता हूं कि आप सही मायने में मेरे और मेरे जैसे हजारों लाखों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा के स्रोत एवं मार्गदर्शक हैं। मेरे और यहां के मेरे सभी साथियों की पूरी कोशिश होगी कि आपकी इच्छानुसार हम लोग अपनी पार्टी की कुछ शक्ल निखार सकें।

अभी तक गुममा (धनबाद) के गोली कांड की जांच का निर्णय नहीं हुआ है। अभी एक सप्ताह पहले सर्वश्री साथी रामानन्द तिवारी, कपिल देव सिंह, भोला प्रसाद सिंह, सभापति सिंह और मैंने एक साथ बैठकर इस प्रश्न पर विचार किया। मेरा ख्याल है कि राष्ट्रीय कार्य समिति के आदेश का और आपके आदेश का पालन करने में हम समर्थ हो सकेंगे। संसोपा का कोई भी मंत्री पुलिस की सलामी नहीं लिया करता है। हवाई जहाज का इस्तेमाल सरकारी कामकाज के लिये ही किया जाता है, हां एक अवसर को छोड़कर वह अपवाद है, त्रिवेन्द्रम की यात्रा। हम लोग सरकारी हवाई जहाज द्वारा त्रिवेन्द्रम गए थे और उसके खर्चे का भुगतान हम लोगों ने अपने पास से किया। हम लोगों के पास बहुदा चपरासी नही रहता है लेकिन एक निजी सहायक (पी.ए.) एवं खुफिया विभाग का एक आदमी साथ में जरूर रहता है। बिहार में मंत्रियों के निजी सहायक वित्त विभाग के आशुलिपिक हुआ करते हैं। यूं चपरासियों को इस बात की शिकायत है कि मंत्रियों के साथ नहीं जाने से भत्ते की आमदनी उनकी मारी गयी है लेकिन चपरासियों को साथ नहीं रखने की बात सिर्फ संसोपा के मंत्रियों के लिये ही लागू है। मंत्रियों के खर्चों में काफी कमी हुई है और इसका पूरा आंकड़ा 5-7 दिनों के बाद आपके पास भेज दूंगा। नौकरशाही के बारे में क्या करना पड़ेगा इसका सुझाव आपके और जय प्रकाश बाबू की वार्ता से निकलेगा और हम लोग उन सुझावों पर अमल करना चाहेंगे। "अंग्रेजी हटाओं' के मामले में हमारा बिहार सबसे आगे है। यद्यपि अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। महामाया बाबू ने आपका पत्र देख लिया है, तिवारी जी को यह पत्र नहीं दिखा सका हूं। 24 और 25 जुलाई की घटनाओं के संबंध में आपको टेलीफोन द्वारा कोई सूचना नहीं भेज सका। इसके लिये मैं अत्यन्त लज्जित हूं। कृपया इस गलती के लिये क्षमा करेंगे।

सस्नेह

कर्पूरी ठाकुर

पटना 14 अगस्त 1967

भाजपा को हटाने में ही उद्यमियों का भला -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव देश की आर्थिक स्थिति को लेकर चिंतित कारोबारियों व उद्यमियों के साथ खड़े हैं। छोटे कारोबारियों व उद्यमियों के बीच पहुंचे श्री अखिलेश यादव ने हर कदम पर उनका साथ देने का भरोसा दिलाया और उनसे अपील की कि देश को बचाने के लिए सभी को आगे आकर भाजपा को हटाना होगा।

30 मार्च को लखनऊ में तपस्या फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित छोटे कारोबारियों एवं उद्यमियों के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में देश आर्थिक संकट में फंसा है। कारोबार और व्यवसाय करने की चिंता बढ़ती जा रही है। इस सरकार ने कारोबारियों के सामने तमाम तरह की समस्यायें खड़ी कर दी हैं।

श्री अखिलेश यादव ने चिंता जाहिर की कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से बैंकिंग सेक्टर बैठ गया है। बैंकों को आपस में विलय करना पड़ा। ईज आफ डूईंग बिजनेस इफेक्ट लेस है। इनका ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इनसल्ट, क्राइम, करप्शन और कमीशन का शिकार हो गया है। पूरा कारोबार जीएसटी और टीडीएस में उलझा हुआ है। मेक इन इंडिया दिखाई नहीं देता है। मैन्युफैक्चरिंग में चीन हावी है। सरकार ने पूरा बाजार दूसरों के हाथों में दे दिया है।

श्री यादव ने इस बात पर भी गहरी चिंता जाहिर की कि भाजपा ने कारोबार के लिए सिर्फ गिनती के कारोबारियों को अवसर दिया है। बाकियों के सामने समस्यायें खड़ी कर दी गईं हैं। देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा कर रही है लेकिन भाजपा की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था में 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर जीने को मजबूर हैं। सरकार बताए कि इनकी प्रति व्यक्ति आय क्या है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा

सरकार की आर्थिक नीतियां पूरी तरह फेल है। देश में इतनी बेरोजगारी पहले कभी नहीं थी। नौजवानों के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। कारोबार और व्यापार में महिलाओं को अवसर नहीं दिया जा रहा है। एमएसएमई सेक्टर और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एमएसएमई सेक्टर के भुगतान में देरी हो रही है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकारों ने हमेशा कारोबार को सरल और आसान करने के लिए फैसले लिए। नेताजी ने मुख्यमंत्री रहते हुए चुंगी और 3/7 को खत्म किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में हम कारोबारियों और उद्योगपतियों के कारोबार को आसान और सरल बनाने का काम करेंगे। महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी। उन्हें कारोबार करने का अवसर दिया जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के आंकड़े असत्य हैं। विकास कार्य ठप है। जनता को गुमराह करने के लिए सरकार झूठे और भ्रामक आंकड़े देती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार झूठी है। भाजपा झूठ का एक्सप्रेस-वे है। उत्तर प्रदेश में 17 एक्सप्रेस-वे कहां है? भाजपा सरकार में बने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में भारी भ्रष्टाचार हुआ। प्रधानमंत्री जी के हाथों उद्घाटन होते ही एक्सप्रेस-वे धंस गया। इस सरकार द्वारा 40 लाख करोड़ के निवेश का झूठा दावा किया जा रहा है लेकिन जमीन पर कोई निवेश दिखाई नहीं दे रहा है।

भाजपा सरकार ने कहा था कि प्रदेश में मिसाइल और टैंक बनाने का कारखाना लगाया जाएगा लेकिन अभी तक आठ साल में सुतली बम भी नहीं बना। इस सरकार के पूरे कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ाया। कोई नया बिजली कारखाना नहीं लगाया। प्रदेश में विद्युत उत्पादन आज भी उतना ही है जितना समाजवादी सरकार में था। भाजपा सरकार ने बिजली व्यवस्था बर्बाद कर दी। अब निजी हाथों में बेचने की तैयारी कर रही है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकारों ने हमेशा कारोबार को सरल और आसान करने के लिए फैसले लिए। नेताजी ने मुख्यमंत्री रहते हुए चुंगी और 3/7 को खत्म किया

श्री अखिलेश यादव ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों से देश को बचाने की अपील करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताइये। समाजवादी पार्टी का पीडीए पॉजिटिव विचार है। भाजपा का एनडीए निगेटिव है। समाजवादी पार्टी ने अपनी सरकार में उत्तर प्रदेश का चौतरफा विकास किया। लखनऊ में आईटी सिटी बनाया गया। अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम, पार्क, मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल बनाए गए। विश्वविद्यालय बनाए गए। जिलों और तहसीलों को फोरलेन सड़कों से जोड़ा गया। किसानों की सुविधा के लिए मंडियों का निर्माण कराया गया। नदियों की सफाई का अभियान चलाया गया। लखनऊ में गोमती नदी पर विश्वस्तरीय रिवरफ्रंट बनाया गया। गोमती रिवरफ्रंट गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट से अच्छा बनाया गया। समाजवादी सरकार ने छात्र-छात्राओं को लाखों लैपटॉप वितरित कर उन्हें शिक्षा और तकनीक में आगे बढ़ाने का काम किया। समाजवादी पार्टी सबका विकास, उत्थान और खुशहाली के लिए काम करती है।

कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कारोबार और व्यवसाय को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो क्लीरियंस सिस्टम, इंडस्ट्रीयल लैण्ड एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, सब्सिटीज एण्ड इंसेंटिव, पावर सप्लाई एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, लेबर लॉ रिफार्म, टैक्स बेनीफिट्स एण्ड जीएसटी फैसीलिटेशन, एमएसएमई सपोर्ट एण्ड क्रेडिट स्कीम्स, स्किल डेवलपमेंट एंड वर्क फोर्स ट्रेनिंग समेत विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम को तपस्या फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापिका पूजा खिलवानी, मार्गदर्शक पं सुनील कुमार वशिष्ठ और संरक्षक श्री नितिन कोहली और शम्मी बोहरा समेत अन्य लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, महासचिव मीनाक्षी अग्रवाल मौजूद रहीं।

ईद की खुशियों में शामिल हुए अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ईद के मौके पर लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह पहुंचकर मुसलमान भाइयों को मुबारकबाद दी।

राजधानी लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में 31 मार्च को ईद की नमाज पढ़ने आए लोगों का अभिवादन करने के बाद अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ईद पर हम सभी लोगों को मीठी सेवई खाने को मिलती है यह मिठास पूरे साल भर रहती है और फिर अगली ईद का इंतजार रहता है।

श्री यादव ने कहा कि अभी हम सबका होली का त्योहार निकला है। अब ईद का त्योहार आया है। हम होली पर भी एक दूसरे से गले मिलते हैं और ईद पर भी आप सबसे गले मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे त्योहार और हमारी संस्कृति सिखाती है कि हम एक दूसरे का सम्मान करें, एक दूसरे से मोहब्बत करें। मिलजुल कर आगे बढ़ें। हमारा धर्म और हमारी धरती सिखाती है कि हम सब एक दूसरे की खुशियों में शामिल हों।

बाद में मीडिया से बातचीत में श्री यादव ने कहा कि आज संविधान को सबसे बड़ा खतरा है। भाजपा सरकार देश को संविधान

से नहीं चला रही है। उन्होंने कहा कि हमारा देश बहुत बड़ा देश है। हमारी संस्कृति मिली जुली है। हम सब सदियों से मिलकर रहते आए हैं। हम सभी लोग खाने-पीने, पहनावा, बोली, भाषा से एक दूसरे से मिले हुए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय दोगुनी करने, नौकरी रोजगार, निवेश जैसे सवालों पर चर्चा हो। भाजपा सरकार चरम पर पहुंच चुके भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने ईद के मौके पर ऐशबाग स्थित ईदगाह को जाने वाले रास्तों पर भारी बैरिकेडिंग कर आवाजाही रोकने जाने पर सख्त ऐतराज जताया। श्री यादव ने कहा कि ईद के अवसर पर काफी लंबे समय से मैं लगातार ईदगाह आ रहा हूं। पुलिस ने इस बार जानबूझकर आधे घंटे तक रोके रखा। मैं बहुत लंबे समय से ईद के मौके पर ईदगाह आ रहा हूं, पहली बार नेताजी मुझे लेकर यहां आए थे। उसके बाद से मैं लगातार आ रहा हूं लेकिन हमने ऐसी बैरिकेडिंग कभी नहीं देखी थी।

श्री अखिलेश यादव के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी थे। श्री यादव ने ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली को ईदगाह जाकर ईद की मुबारकबाद दी। फिर सपा के पूर्व नगर अध्यक्ष श्री मुजीबुर्रहमान बबलू के आवास जाने के बाद टीलेवाली मस्जिद पहुंचे और वहां उन्होंने सभी को ईद की बधाई दी।

श्री अखिलेश यादव ने महमूदाबाद पैलेस, कैसरबाग में प्रो अली, शीशमहल में नवाब मसूद अब्दुल्ला के अतिरिक्त पूर्व मंत्री श्री अम्मार रिज़वी एवं लखनऊ नगर निगम पार्षद दल के नेता श्री कामरान बेग, अल्पसंख्यक सभा के महासचिव यामीन खां, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड मो एबाद के घर जाकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी।

श्री यादव ने ईद के मौके पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी की डॉ कंवर रहमान से भी क्लाइव रोड स्थित आवास पर मुलाकात की।

ईद से पहले 18 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता फखरूल हसन चांद द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आओ गले मिलें!
होली-ईद मिलन
सद्भाव मिलन

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

लाएंगे हम सब मिलकर पीडीए सरकार!

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

पीडीए को जिताएंगे, पीढ़ियों को बढ़ाएंगे!

Translate post

Akhilesh Yadav @yadav... · 05 Apr

#PDA
#SwabhimaanSwamaanSamaroh

'अंबेडकर जयंती : स्वाभिमान-स्वमान समारोह'
8 अप्रैल-14 अप्रैल

'अंबेडकर जयंती' के पावन अवसर पर आगामी 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक 'समाजवादी बाबासाहेब अम्बेडकर वाहिनी' एवं 'समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ' के संयुक्त तत्वावधान में सपा के सभी कार्यालयों, सभी जन प्रतिनिधियों के स्थानीय व आवासीय कार्यालयों में 'स्वाभिमान-स्वमान समारोह' आयोजित किया जाएगा।

आइए पीडीए के इस 'स्वाभिमान-स्वमान' के संघर्ष को समारोह में बदल दें।

आपका अखिलेश

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

शिक्षा ही शक्ति है!

मानवीय मूल्यों का रक्षक और मानवीय व्यवहार करनेवाला ही शिक्षित होता है, सभ्य होता है और सभ्य ही 'सभ्यता' बनाता है; इसके विपरीत असभ्य उजाड़ता है।

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

PDA 90% जनता की एकता का नाम है
PDA संविधान और आरक्षण की ढाल है!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

कुछ लोग दे रहे हैं धमकियाँ और लहरा रहे हैं सरेआम हथियार, क्या पंचेंद्रियों से हीन हो गयी है भाजपा सरकार?

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

ग़रीबी में गेहूँ गीला...

जब जाएंगे भाजपाई, तभी होगी सुनवाई!

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

सुदर्शन

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

केवल राजनीति करनेवाली जुमलाई भाजपा सरकार में 4 साल में सिर्फ़ बोर्ड लगा, ये क्या कम है?

Translate post

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

कुछ लोगों को 'हाता नहीं भाता'

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

सच्चे देशभक्त अभिनेता, निर्देशक मनोज कुमार जी का निधन सार्थक सिनेमा के क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति है। उनका सिनेमा की प्रगति और गति दोनों के साथ क़दमताल करता हुआ चला व उन्होंने सदैव ये दिखाया और सिखाया कि मनोरंजन के माध्यम से कैसे समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सकता है।

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 4d

संपूर्ण मानवता के लिए समर्पित त्याग-तपस्या, सौम्यता-सहृदयता की प्रतिमूर्ति राजयोगिनी डॉ. दादी रतनमोहिनी जी की इस पृथ्वीलोक पर शतकीय जीवन की यात्रा पूर्ण होने पर एक अपूरणीय आध्यात्मिक निर्वात बना है। उनका प्रेरणादायी जीवन हम सबमें एक चेतना के रूप सदैव जीवंत रहेगा। हृदय से नमन!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

दाम सिलेंडर के नहीं, सबकी रोटी-थाली के बढ़े हैं।

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

@ जौनपुर

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री पूर्णमासी देहाती जी का निधन, अत्यंत दुःखद।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 4d

पहनना-ओढ़ना अगर शासन-प्रशासन का आधार बनेगा तो इस देश में इससे दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा।

निंदनीय!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी के जुझारू और प्रखर वक्ता व 'बनारस वाले मिश्रा जी' के नाम से लोकप्रिय हरीश मिश्रा पर चाकू से किया गया क़ातिलाना हमला बेहद निंदनीय है। उनके रक्तरंजित वस्त्र उप्र में ध्वस्त हो चुकी क़ानून-व्यवस्था की निशानी है। सपा का हर कार्यकर्ता ऐसे हमलों को झेलने की शक्ति रखता है।

देखते हैं कि उप्र की तथाकथित सरकार के क्रियाहीन शरीर में इस घटना के बाद कोई हलचल होती है या नहीं।

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

न मेरा है न तेरा है ये हिन्दुस्तान सबका है

न मेरा है न तेरा है ये हिन्दुस्तान सबका है
नहीं समझी गई ये बात तो नुकसान सबका है

हज़ारों रास्ते खोजे गए उस तक पहुँचने के
मगर पहुँचे हुए ये कह गए भगवान सबका है

जो इसमें मिल गईं नदियाँ वे दिखलाई नहीं देतीं
महासागर बनाने में मगर एहसान सबका है

अनेकों रंग, ख़ुशबू, नस्ल के फल-फूल पौधे हैं
मगर उपवन की इज्जत-आबरू ईमान सबका है

हक़ीक़त आदमी की और झटका एक धरती का
जो लावारिस पड़ी है धूल में सामान सबका है

ज़रा से प्यार को खुशियों की हर झोली तरसती है
मुकद्दर अपना-अपना है, मगर अरमान सबका है

उदय झूठी कहानी है सभी राजा और रानी की
जिसे हम वक़्त कहते हैं वही सुल्तान सबका है।।

-उदयप्रताप सिंह
(साभार: कविता कोश)

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party